आज मेरे यार की शादी है....

डा विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

'आज मेरे यार की शादी है ', 'मेरा यार बना है दूल्हा ', 'बाबुल की दुआएं लेती जा ', और 'डोली चढ़ के दुल्हन ससुराल चली '. दोस्तों आपने उत्तर भारत की तक़रीबन हर शादी में उपरोक्त चार सुपरहिट गीत जरूर सुनें होंगे. क्या आप जानते हैं इन गीतों में शादी के गीत होने के अलावा क्या एक और समानता है? तो इन सभी गीतों के संगीतकार एक ही हैं जिनका नाम है रविशंकर शर्मा, ये नाम शायद आपको नया सा, अनसुना सा प्रतीत होगा लेकिन अगर मैं कहूँ कि ये हिंदी फ़िल्म संगीत के स्वर्णिम युग के महान संगीतकारों में से एक संगीतकार रवि के गीत हैं, तो आप हैरान नहीं होंगे. जी हाँ आज हम बात कर रहे हैं प्रसिद्ध संगीतकार रवि की, जिनका पूरा नाम रवि शंकर शर्मा था.

दरअसल रवि फिल्मों में गायक बनने आये थे पर संगीतकार बन गये, यद्यपि उन्होंने शास्त्रीय संगीत की विधिवत शिक्षा प्राप्त नहीं की थी, उन्होंने केवल अपने पिता जी को मंदिरों में भजन गाते देखकर उनसे धार्मिक गीतों की तर्ज़ बनाना सीखा था. उनमें सुरों की गहरी समझ और संगीत की स्वाभाविक प्रतिभा थी. वे महान संगीतकार हेमंत कुमार के सहायक के रूप में फ़िल्म जगत में आए और हेमंत दा की फिल्मों शर्त, सम्राट, नागिन, दुर्गेशनंदिनी, जागृति आदि फिल्मों की संगीत रचना में उनका सहयोग किया, हेमंत कुमार के मार्गदर्शन में रहकर उन्होंने संगीत की बारीकियाँ सीखीं और धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बनाई. हेमंत कुमार के संगीत से सजी सुपरहिट फ़िल्म नागिन के प्रसिद्ध गीत 'मन डोले मेरा तन डोले' की बीन की धुन रवि और कल्याणजी ने मिलकर बनाई थी.

एक दिन हेमंत दा ने उन्हें बुलाकर कहा कि अब तुम स्वतंत्र संगीतकार के तौर पर अपना काम शुरू करो वरना तुम सहायक ही बन कर रह जाओगे, मैं तुम्हारा टैलेंट दबाना नही चाहता. यहीं से उनकी नई यात्रा शुरू हुई. स्वतंत्र संगीतकार के रूप में उनकी पहली फ़िल्म देवेंद्र गोयल की 'वचन' का संगीत काफ़ी पसंद किया गया, इस फ़िल्म की उनकी प्रसिद्ध लोरी 'चंदा मामा दूर के पुए पकाये बूर के', और 'बाबू ओ जाने वाले बाबू एक पैसा दे दे ', गीत काफी लोकप्रिय हुए, परंतु संगीतकार रवि को सही पहचान पचास और साठ के दशक में मिली जब उन्होंने विशेष रूप से बी.आर चोपड़ा की कई फिल्मों में अविस्मरणीय संगीत दिया. शायर साहिर लुधियानवी के साथ उनकी जोड़ी ऐतिहासिक मानी जाती है.बीआर चोपड़ा की फिल्मों के लिये इस जोड़ी ने कई अमर गीत रचे.उन्होंने कुल मिला कर लगभग 200 फिल्मों में संगीत दिया, उन्होंने 16 मलयालम फिल्मों में भी संगीत दिया.

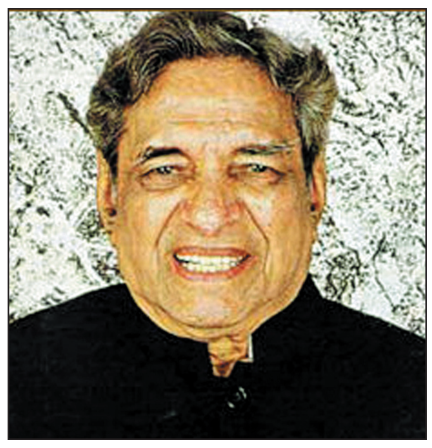

उनकी प्रमुख फ़िल्में,चौदहवीं का चाँद, नजराना,वक़्त, घराना, गुमराह, खानदान,धूल का फूल, दो बदन, हमराज़,नील कमल, दिल्ली का ठग, चाइना टाउन, आदमी और इंसान, आंखे, काजल, धुंध, दो कलियाँ, एक फूल दो माली, एक महल हो सपनो का, निकाह आदि हैं, इन सभी फ़िल्मों के गीत आज भी श्रोताओं के दिलों में बसे हुए हैं.

रवि के संगीत की सबसे बड़ी विशेषता थी सरलता और मधुरता. उनकी बनाई सरल धुनें सीधे दिल को छूती हैं.उन्होंने शास्त्रीय संगीत के तत्वों को लोकप्रिय शैली में ढालकर मधुर कर्णप्रिय संगीत प्रस्तुत किया. उनका संगीत समय की सीमाओं से परे है और आने वाली पीढ़ियों को भी भावनात्मक आनंद देता रहेगा.

रवि का संगीत मानवीय भावनाओं और अहसासों की अनुपम अभिव्यक्ति है. उनकी बनाई धुनें अत्यंत सरल है, परंतु भावनात्मक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध हैं, उनमें कोई अनावश्यक वाद्य-आडंबर नहीं है.वो साजों का कम इस्तेमाल करते थे ताकि गीतों में अच्छी शायरी और व गायक की आवाज़ उभरकर आ सके, उनके संगीत में अंग्रेजी साजों का इस्तेमाल कम हुआ है और देसी साजों जैसे बांसुरी, सरोद, संतूर, शहनाई आदि का बहुत सुन्दर इस्तेमाल हुआ है.

वो फ़िल्म उद्योग की परंपरा के विपरीत, गीत लिखे जाने के बाद उसकी धुन बनाते थे और एक ही गीत कई कई धुनें बनाया करते थे और फिर सबसे उत्तम तर्ज़ का चयन करते थे, उन्होंने फ़िल्म गुमराह के प्रसिद्ध गीत 'चलो एक बार फिर से अज़नबी बन जायें हम दोनों' के लिये 31 और निकाह के गीत 'दिल के अरमा आंसुओं में बह गये' के लिये 16 धुनें बनाई थीं. वो पहले संगीतकार थे जिन्होंने मंगेशकर बहनों लता, उषा और आशा तीनो को एक साथ गवाया है, ये गीत था फ़िल्म 'गृहस्थी' का 'खिले हैं सखी आज फुलवा मनके'.

हिंदी फ़िल्म संगीत के इतिहास में रवि उन संगीतकारों में हैं, जिनके मधुर गीत अंतरात्मा की सच्चाई से उपजे हैं.उनके श्रेष्ठ गीत केवल लोकप्रिय धुनें नहीं हैं, बल्कि वे भाव और मानवीय संवेदना के सशक्त दस्तावेज़ हैं. उनका संगीत श्रोता को झकझोरता नहीं, बल्कि मन के अंदर उतर जाता है. उनके प्रमुख गीतों में 'चौदहवीं का चाँद हो' (चौदहवीं का चाँद), 'बाबुल की दुआएं लेती जा' (नीलकमल), 'तू हिंदू बनेगा न मुसलमान बनेगा' (धूल का फूल), 'नीले गगन के तले '(हमराज), 'ए मेरी जोहराजबीं (वक़्त), 'औरत ने जनम दिया मर्दों को '(साधना), 'किसी पत्थर की मूरत से '(हमराज), चलो एक बार फिर से अज़नबी बन जाएँ (गुमराह), 'उलझन सुलझे ना '(धुंध), 'तुझे सूरज कहूं या चंदा' (एक फूल दो माली), दूर रहकर न करो बात (अमानत), सौ बार जन्म लेंगे(उस्तादों के उस्ताद), सब कुछ लुटा के होश में (एक साल), बार बार देखो (चाइना टाउन), आदि शामिल हैं.

उन्होंने कई हिट गीत भी लिखे हैं. 'औलाद वालों फूलों फलों '(एक फूल दो माली), गरीबों की सुनो वो तुम्हारी सुनेगा (दस लाख), 'चंदा मामा दूर के पुए पकाये बूर के '(वचन) और 'बाबू ओ जाने वाले बाबू एक पैसा दे दे '(वचन) आदि गीतों के के साथ साथ उन्होंने सुहाग, खामोश निगाहेँ, अलबेली आदि फिल्मों में भी गीत लिखे. इसी प्रकार फ़िल्म 'एक फूल दो माली' का गीत 'किस्मत के खेल निराले' उनका गाया हुआ है. उनके संगीतबद्ध कुछ श्रेष्ठ गीत भिखारियों से सम्बंधित सिचुएशन के लिये हैं, 'बाबू ओ जाने वाले बाबू एक पैसा दे दे '(वचन), औलाद वालों फूलों फलों '(एक फूल दो माली), 'गरीबों की सुनो वो तुम्हारी सुनेगा' (दस लाख).

इसी प्रकार बच्चों के लिये उन्होंने 'ओ नन्हें से फ़रिश्ते' और 'तुझे सूरज कहूं या तारा '(एक फूल दो माली), 'दादी अम्मा दादी अम्मा मान जाओ '(घराना), 'बच्चे मन के सच्चे '(दो कलियाँ), 'हम भी अगर बच्चे होते नाम हमारा '(दूर कीआवाज़), जैसे खूबसूरत गीत बनाये. रवि को उनके काम के लिए कई पुरस्कार मिले, जिनमें फ़िल्म 'घराना' और फ़िल्म 'खानदान' के लिये फिल्मफेयर पुरस्कार के साथ साथ पद्मश्री और नेशनल फिल्म अवार्ड भी शामिल हैं.

आज के लिये इतना ही, अगले सप्ताह फिर मुलाक़ात होगी. रवि जी की शख्सियत के लिये मुझे मशहूर शायर कतील शिफाई साहब के ये अशआर याद आ रहे हैं,

हालात के क़दमों पर कलंदर नहीं गिरता
टूटे भी तारा तो ज़मीं पर नहीं गिरता
गिरते हैं समंदर में बड़े शौक से दरिया
लेकिन किसी दरिया में समंदर नहीं गिरता

मोहनलाल के साथ काम करना सौभाग्य की बात : एकता

बॉलीवुड की जानीमानी फिल्मकार एकता कपूर का कहना है कि दक्षिण भारतीय फिल्मों के दिग्गज अभिनेता मोहन लाल के साथ काम करना उनके लिये सौभाग्य की बात है.

एकता कपूर के लिये 2025 एक बेहतरीन साल रहा है. एकता कपूर के लिए, जिन्होंने विभिन्न फॉर्मेट्स और इंडस्ट्रीज़ में अपनी पकड़ और भी मजबूत की है. भारतीय मनोरंजन की दुनिया में 30 साल पूरे करने के साथ, एकता कपूर हाल ही में कथल के लिए अपना पहला नेशनल अवार्ड जीता, नेटफ्लिक्स के साथ एक सहयोग की घोषणा की, और लोकप्रिय टीवी सीरियल क्योंकी सास भी कभी बहू थी को स्मृति ईरानी के साथ सफलतापूर्वक वापस लाया. इस साल के कई माइलस्टोन में से एक था बालाजी का मलयालम सिनेमा में प्रवेश, जिसने इस बैनर की रचनात्मक क्षमता को और विस्तारित किया.

एकता कपूर ने अपने पहले मलयालम फिल्म प्रोजेक्ट में अभिनेता मोहनलाल के साथ काम करने के अपने अनुभव पर उनके प्रति अपनी श्रद्धा जताई. उन्होंने कहा कि बालाजी के लिए मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखना बहुत बड़ा सम्मान है. मोहनलाल हमारे समय के सबसे पूजनीय कलाकार हैं.

जान्हवी बनीं न्यू बैलेंस की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है. उन्हें ग्लोबल एथलेटिक और लाइफस्टाइल ब्रांड न्यू बैलेंस की पहली भारतीय ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त किया गया है. यह साझेदारी न सिर्फ जान्हवी के करियर का अहम पड़ाव मानी जा रही है, बल्कि भारतीय बाज़ार में न्यू बैलेंस की बढ़ती मौजूदगी और रणनीतिक विस्तार का भी संकेत है.

वर्ष 2025 में दमदार और प्रभावशाली परफॉर्मेंस के ज़रिए अपनी अभिनय क्षमता, वर्सेटिलिटी और मजबूत स्क्रीन प्रेज़ेंस को फिर से साबित करने वाली जान्हवी कपूर अब सिनेमा की सीमाओं से आगे बढ़कर ग्लोबल ब्रांड स्पेस में अपनी पहचान और प्रभाव का दायरा बढ़ा रही हैं. न्यू बैलेंस के साथ यह सहयोग भारतीय युवाओं और फिटनेस-फोकस्ड ऑडियंस को ध्यान में रखकर किया गया एक अहम कदम माना जा रहा है.

न्यू बैलेंस ने जान्हवी कपूर को उन मूल्यों का प्रतीक बताया है, जिन पर ब्रांड वैश्विक स्तर पर विश्वास करता है— ऑथेंटिसिटी, रेज़िलिएंस और आत्मविश्वास. ब्रांड का मानना है कि जान्हवी की पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी इन मूल्यों को बखूबी दर्शाती है. अभिनय की दुनिया में लगातार खुद को निखारते हुए जान्हवी ने अपनी अलग पहचान बनाई है, जो उन्हें आज की पीढ़ी के लिए एक प्रेरणादायक चेहरा बनाती है. कान्स फिल्म फेस्टिवल और टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जान्हवी कपूर की मौजूदगी ने उन्हें एक ऐसी समकालीन भारतीय आवाज़ के रूप में स्थापित किया है, जिसकी अपील सिर्फ भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी है. यही कारण है कि न्यू बैलेंस ने भारतीय बाजार के लिए उन्हें अपना प्रतिनिधि चेहरा चुना है.

इस मौके पर जान्हवी कपूर ने कहा, 'मैं हमेशा से न्यू बैलेंस को उसकी इनोवेशन के प्रति प्रतिबद्धता और इंडिविजुअलिटी को सेलिब्रेट करने के लिए पसंद करती आई हूँ. यह ऐसा ब्रांड है जो आपको अपनी कहानी खुद अपनाने के लिए प्रेरित करता है और यही बात मुझसे गहराई से जुड़ती है. मेरे लिए फैशन और फिटनेस हमेशा खुद के प्रति सच्चे रहने के बारे में रहे हैं, और न्यू बैलेंस मुझे उस कॉन्फिडेंस और ऑथेंटिसिटी को एक्सप्रेस करने का मौका देता है.

600 करोड़ के क्लब में शामिल हुई 'धुरंधर'

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' ने भारतीय बाजार में 20 दिनों में 607 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है.फिल्म 'धुरंधर' 05 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं. इनके अलावा अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर माधवन जैसे सितारे हैं.

स्पाई थ्रिलर 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार नए कीर्तिमान बना रही है. रिलीज के पहले दिन से लेकर अब तक धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन कर रही है. यह फिल्म 20वें दिन तक लगातार डबल डिजिट में कमाई करने में सफल रही है.

सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'धुरंधर' ने पहले सप्ताह में भारतीय बाजार में 207.25 करोड़ की जबरदस्त कमाई की थी.

फिल्म 'धुरंधर' ने दूसरे सप्ताह में 253. 25 करोड़ का शानदार कारोबार किया था. तीसरे सप्ताह में भी फिल्म ' धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. इस फिल्म ने 15वें दिन 22.5 करोड़,16 वें दिन 34.25 करोड़, 17वें दिन 38.5 करोड़, 18 वें दिन 16.5 करोड़ और 19 वें दिन 17.25 करोड़ का कारोबार किया. सैकनिल्क की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'धुरंधर' ने 20वें दिन 17.75 करोड़ की कमाई की.इस तरह 20 दिनों में ही स्पाई थ्रिलर धुरंधर ने भारत में 607 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है.

अनमोल सिनेमा पर दिखायी जायेगी कल्कि 2898 ए .डी .

ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 ए.डी.', 28 दिसंबर को शाम सात बजे अनमोल सिनेमा पर दिखायी जायेगी. अपनी कला के माहिर निर्देशक नाग अश्विन की कल्पना से जन्मी 'कल्कि 2898 ए.डी.' भारतीय सिनेमा के लिए एक नया अध्याय साबित हुई है. अपने शानदार वीएफएक्स, बेमिसाल दृश्यों के अलावा पुराणों एवं भविष्य की दुनिया के अनोखे संगम के साथ, यह फिल्म एक ऐसा सिनेमाई अनुभव लेकर आई है, जिसे पहले कभी नहीं देखा गया. चाहे भव्य युद्ध हों या कल्पनाओं के शहर, हर सीन इतनी बारीकी से गढ़ा गया है कि लगेगा, जैसे आप उसी दुनिया का हिस्सा हैं.

निर्देशक नाग अश्विन ने कहा, 'बचपन से मैं पौराणिक फिल्मों में महायुद्ध देखता आया हूँ और 'कल्कि 2898 ए.डी.' को साकार करना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है. मेरा पहला शॉट अमिताभ बच्चन

जी के साथ था और वह पल हमेशा मेरे लिए यादगार रहेगा. वे न सिर्फ एक महानायक हैं, बल्कि हमारे देश के पहले और सबसे बड़े एक्शन हीरो भी हैं. सच कहूँ, तो पूरी कास्ट के साथ काम करना ही एक सौभाग्य था, लेकिन इस फिल्म को खास बनाने वाली असली चीज़ थी हमारी पूरी टीम की मेहनत और लगन. 'कल्कि' के अनोखे संसार को गढ़ने में जितनी तैयारी और मेहनत लगी है, वह कल्पना से भी परे है.'

गुरुद्वारा पहुंचे कार्तिक-अनन्या

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' आज क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है. इस फिल्म को लेकर मेकर्स और कलाकारों को काफी उम्मीदें हैं. हालांकि शुरुआती समीक्षाओं में फिल्म को क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है, लेकिन रिलीज के दिन दोनों सितारों ने सबसे पहले भगवान का आशीर्वाद लेना जरूरी समझा.

दिल्ली के गुरुद्वारा बंगला साहिब पहुंचे कार्तिक और अनन्या ने वहां पूरे विधि-विधान से माथा टेका. इस दौरान दोनों का सादा और श्रद्धा से भरा अंदाज देखने को मिला. कार्तिक आर्यन सफेद शर्ट और काली पैंट में नजर आए, वहीं अनन्या पांडे ब्लू जींस और ग्रे स्वेटर में दिखाई दीं. गुरुद्वारा की परंपरा के अनुसार कार्तिक ने सिर पर बंदाना बांधा हुआ था, जबकि अनन्या ने दुपट्टे से सिर ढका हुआ था.

गुरुद्वारे में दर्शन करने के बाद दोनों ने वहां तस्वीरें भी खिंचवाईं, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. फैंस उनके इस आध्यात्मिक रूप की तारीफ कर रहे हैं और फिल्म के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं. समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक रोमांटिक-कॉमेडी है, जिसे करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म में कार्तिक और अनन्या के साथ जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता जैसे सीनियर कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं.

किरदार पुष्पा का सफर खास : करूणा

अभिनेत्री करूणा पांडे का कहना है कि सोनी सब के शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' के आगामी एपिसेड में उनके किरदार पुष्पा में आये बदलाव को चित्रित करना उनके लिये अविश्वसनीय रूप से संतोषजनक रहा. सोनी सब का शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' ,पुष्पा (करुणा पांडे) के एक साधारण गृहिणी से न्याय की निडर पैरोकार बनने के असाधारण सफर को दर्शाता है. अब यह कहानी अपने सबसे तीव्र और चौंकाने वाले खुलासों की ओर बढ़ रही है.आगामी एपिसोड में अस्पताल की मैट्रन रेखाबेन, कादंबरी (बृंदा त्रिवेदी) की धमकियों से बचने के लिए पुष्पा से मदद मांगती हैं. लेकिन कादंबरी भेष बदलकर बीच में ही उस मुलाकात को रोक देती है. रेखाबेन खुलासा करती हैं कि तितली असल में अश्विन (समृद्ध बावा) और दीप्ति (दीक्षा जोशी) की बेटी है, जिसे जन्म के समय बदल दिया गया था. इसी बीच कादंबरी का भेष खुल जाता है और वह घबराहट में रेखाबेन को गोली मार देती है.जुगल (अंशुल त्रिवेदी), जो इस अपराध को देख लेता है, कादंबरी का सामना करता है, लेकिन हाथापाई के दौरान वह उसे भी गोली मार देती है. कुछ ही पलों बाद पुष्पा वहां पहुंचती है और यह खौफनाक मंजर देखकर स्तब्ध रह जाती है. क्रोध से भरी पुष्पा, कादंबरी को अपने जीवन की सबसे बड़ी दुश्मन घोषित करते हुए उसे तबाह करने की कसम खाती है.

विराट का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण रहा : रजत वर्मा

सोनी सब का शो 'इत्ती सी खुशी' अन्विता (सुंबुल तौकीर खान) के इर्द-गिर्द घूमता है, जो केवल जीवित रहने की जद्दोजहद से आगे बढ़कर अपने जीवन पर नियंत्रण पाने की कोशिश कर रही है. संजय (ऋषि सक्सेना) की बढ़ती असुरक्षा और विराट (रजत वर्मा) की अनसुलझी मौजूदगी, जो अब उसके शक्तिशाली पिता राजनाथ वर्मा (फारुख सईद) के कारण और भी जटिल हो गई है, के बीच फंसी अन्विता ऐसे विकल्पों का सामना कर रही है जो उसकी सहनशक्ति और रिश्तों की परीक्षा लेंगे. जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, विराट के माता-पिता संजय के बॉस, कमिश्नर को सम्मानित करने के लिए अपने घर पर एक चैरिटी फंक्शन (दान समारोह) आयोजित करते हैं. अपने पिता के सामने खुद को साबित करने और अपनी बात रखने के लिए दृढ़ संकल्पित विराट, 'सुहास निवास' के सभी लोगों के साथ-साथ अपने 'रॉबिन हुड' दोस्तों को भी आमंत्रित करता है. इस बीच, कमिश्नर अपनी उपलब्धियों के सम्मान में संजय और उसके परिवार को भी निमंत्रण देते हैं, इस बात से अन्विता अनजान है. अपने बॉस की नजरों में बने रहने के लिए संजय इस जानकारी को अन्विता से छुपाता है और यह सुनिश्चित करता है कि वह उसके साथ पार्टी में शामिल हो .जश्न की यह शाम जल्द ही हंगामे में बदल जाती है जब संजय जान-बूझकर विराट को उकसाता है, जिससे उनके बीच तीखी बहस हो जाती है जो सार्वजनिक टकराव का रूप ले लेती है. अन्विता से समर्थन की उम्मीद कर रहे विराट को तब गहरा धक्का लगता है, जब अन्विता संजय का पक्ष लेकर सबको चौंका देती है और विराट से कहती है कि वह उनके जीवन से दूर रहे. विराट की भूमिका निभाने वाले रजत वर्मा ने कहा, 'विराट के लिए यह एक महत्वपूर्ण मोड़ है. हालांकि वह जानता है कि संजय गलत था, लेकिन उसे इस सच्चाई को स्वीकार करना पड़ रहा है कि अन्विता के चुनाव ने उसे किसी भी चीज से ज्यादा चोट पहुंचाई है. एक अभिनेता के रूप में विराट के दर्द, गुस्से और लाचारी को चित्रित करना चुनौतीपूर्ण लेकिन बहुत संतोषजनक रहा है, क्योंकि ये ऐसी भावनाएं हैं जिनसे हर कोई जीवन के किसी न किसी मोड़ पर खुद को जोड़ पाता है. मुझे लगता है कि दर्शक उसके सफर के इस पड़ाव से गहराई से जुड़ेंगे, क्योंकि यह दिखाता है कि जब भरोसे की परीक्षा होती है, तो मजबूत और आत्मविश्वासी लोग भी खुद को असहाय और खोया हुआ महसूस कर सकते हैं.

जापान में रिलीज होगी रणबीर की फिल्म 'एनिमल'

बॉलीवुड के रॉकस्टार रणबीर कपूर की सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है. संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी यह बहुचर्चित फिल्म 13 फरवरी 2026 को जापान के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. फिल्म की जापान रिलीज को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है.

वर्ष 2023 में रिलीज हुई 'एनिमल' रणबीर कपूर के करियर की सबसे चर्चित और व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों में से एक रही है. फिल्म में रणबीर कपूर के इंटेंस और अलग अवतार ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया था. इस फिल्म में बॉबी देओल, अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं, जिनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों और समीक्षकों से खूब सराहना मिली थी. 'एनिमल' ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन किया था. फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 915 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए थे. दमदार कहानी, हाई-ऑक्टेन एक्शन, इमोशनल ड्रामा और शक्तिशाली बैकग्राउंड स्कोर ने फिल्म को वैश्विक पहचान दिलाई.

अब इसी सफलता को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल' को जापान में बड़े पैमाने पर रिलीज करने की तैयारी की गई है. फिल्म के प्रोड्यूसर्स में शामिल भद्रकाली फिल्म्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म का ऑफिशियल पोस्टर शेयर करते हुए इसकी जापान रिलीज की घोषणा की.

स्टार्स की फौज के साथ लौटी वेलकम टू द जंगल

अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है. क्रिसमस के मौके पर सामने आए इस टीजर ने फैंस को हंसी, हैरानी और एक्साइटमेंट—तीनों का फुल डोज दे दिया है. वीडियो की सबसे बड़ी खासियत है इसकी भारी-भरकम स्टारकास्ट, जिसे एक ही फ्रेम में देखकर दर्शक दंग रह गए. टीजर में अक्षय कुमार के साथ रवीना टंडन, सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, तुषार कपूर, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, आफताब शिवदसानी, दिशा पटानी और जैकलीन फर्नांडीज जैसे कई बड़े सितारे नजर आते हैं.

सभी कलाकार हाथों में बंदूक लिए, सेफ्टी गियर पहने एक्शन अवतार में दिखते हैं, लेकिन

बैकग्राउंड में कॉमेडी का तड़का यह साफ कर देता है कि फिल्म पूरी तरह एंटरटेनमेंट से भरपूर होने वाली है. टीजर की सबसे चौंकाने वाली बात है अक्षय कुमार का डबल रोल. एक तरफ वह अपने ट्रेडमार्क स्टाइल में जवान अवतार में दिखते हैं, तो दूसरी तरफ उनका बूढ़ा लुक दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है. यह नया प्रयोग फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा रहा है.

अक्षय कुमार ने टीजर शेयर करते हुए लिखा कि यह उनके करियर का अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है और फिल्म की शूटिंग अब पूरी हो चुकी है. उन्होंने पूरी टीम की मेहनत की तारीफ करते हुए 2026 में सिनेमाघरों में आने का ऐलान भी किया.